समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

मेघालय मे यूरेनियम खनन को लेकर असंतोष : स्थानीय समुदायों और सरकार के बीच तनाव

Sanket Morankar Published on 22 Sep 2025

मेघालय में **यूरेनियम खनन परियोजना** को लेकर हाल ही में **स्थानीय समुदायों और प्रशासन के बीच तनाव** बढ़ गया है। इस विवाद ने राज्य में राजनीतिक, पर्यावरणीय और सामाजिक स्तर पर नई बहस को जन्म दिया है।

- स्थानीय लोग और **ग्रामीण समुदाय** परियोजना के कारण पर्यावरण और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंतित हैं।
- विरोधियों का कहना है कि **खनन से पानी, मिट्टी और जंगल प्रभावित होंगे**, जिससे स्थानीय जीवनशैली पर गंभीर असर पड़ेगा।
- प्रशासन और खनन कंपनी का दावा है कि परियोजना **राष्ट्रीय महत्व की है** और इसे पर्यावरण मानकों के अनुसार चलाया जाएगा।

एक स्थानीय निवासी ने कहा—
"हमारे पेड़, जमीन और पानी पर असर पड़ेगा। हमे सुरक्षा और हमारे अधिकारों की चिंता है।"

- स्थानीय नागरिकों और संगठनों ने **प्रदर्शन और धरने** शुरू कर दिए हैं।
- युवा और महिलाएं भी विरोध में शामिल हो रही हैं, यह दिखाता है कि **पूरा समुदाय इस मुद्दे पर सजग है।**
- कुछ संगठनों ने **सुप्रीम कोर्ट और पर्यावरण मंत्रालय** से हस्तक्षेप की मांग की है।

स्वयंसेवी संगठन के प्रतिनिधि ने कहा—
"हम चाहते है कि परियोजना को तुरंत रोका जाए और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।"

- राज्य और केंद्र सरकार का कहना है कि परियोजना **राष्ट्रीय ऊर्जा और रणनीतिक आवश्यकताओं** के लिए महत्वपूर्ण है।
- अधिकारियों ने यह भी कहा कि परियोजना में **पर्यावरण सुरक्षा उपाय और नियमित निरीक्षण** लागू होंगे।
- राज्य प्रशासन ने स्थानीय समुदायों के साथ **समन्वय बैठके** की हैं, ताकि चिंता और समस्याओं का समाधान किया जा सके।

एक अधिकारी ने कहा—
"हम स्थानीय समुदाय के साथ संवाद मे है और सुनिश्चित कर रहे है कि किसी भी तरह की हानि न हो।"

- विशेषज्ञों का कहना है कि **यूरेनियम खनन पर्यावरण के लिए संवेदनशील मामला** है।
- खनन के दौरान **रेडियोधर्मी तत्वों का रिसाव, जल स्त्रोतों का प्रदूषण और जंगलों का कटाव** जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।
- कई एनजीओ ने परियोजना के **पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन (EIA)** को लेकर सवाल उठाए हैं।

एक पर्यावरण विशेषज्ञ ने कहा—
"यूरेनियम खनन मे जोखिम अधिक होता है। परियोजना के सभी चरणों मे सख्त निगरानी और सुरक्षा आवश्यक है।"

- राज्य में राजनीतिक दलों ने भी इस मुद्दे पर **अपना रुख स्पष्ट किया है।**
- विपक्षी दल ने परियोजना को **स्थानीय जनता और पर्यावरण के हितों के खिलाफ** करार दिया है।
- समर्थक दल का कहना है कि यह **राज्य और देश के लिए ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास** के लिहाज से आवश्यक है।

राजनीतिक विश्लेषक ने कहा—
"यह मुद्दा केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है ; यह राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर भी बड़ा विवाद बन गया है।"

- विशेषज्ञ सुझाव देते हैं कि **स्थानीय समुदाय की भागीदारी और पारदर्शिता** सुनिश्चित करने से विवाद कम हो सकता है।
- पर्यावरण मानकों का पालन और **स्वतंत्र पर्यावरण निरीक्षण** जरूरी है।
- सरकार और कंपनियों को चाहिए कि वे **स्थानीय रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य उपायों** के माध्यम से समुदाय को शामिल करें।

- यदि समाधान नहीं निकला, तो आंदोलन और प्रदर्शन और तेज हो सकते हैं।
- परियोजना की स्थगिती या संशोधित योजना से **स्थानीय समुदाय और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा** की जा सकती है।
- विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को **राष्ट्रीय ऊर्जा जरूरतों और स्थानीय हितों** के बीच संतुलन बनाए रखना होगा।

मेघालय में **यूरेनियम खनन विवाद** ने राज्य में पर्यावरण, राजनीति और सामाजिक चेतना को उजागर किया है।

- स्थानीय समुदायों की चिंता **पर्यावरणीय सुरक्षा और स्वास्थ्य** को लेकर गंभीर है।
- प्रशासन और केंद्र सरकार परियोजना को **राष्ट्रीय हित मे आवश्यक** बताते हैं और सुरक्षा उपायों का दावा करते हैं।
- यह विवाद राज्य और केंद्र सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण है क्योंकि **स्थानीय हित और राष्ट्रीय रणनीति** में संतुलन जरूरी

है।

- विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल **पारदर्शिता, संवाद और पर्यावरणीय निगरानी** के माध्यम से ही इस विवाद का समाधान संभव है।

यह मामला मेघालय में **स्थानीय समुदाय की जागरूकता और पर्यावरण सुरक्षा** की अहमियत को दर्शाता है और भविष्य में ऐसे विवादों में **समान दृष्टिकोण और सहयोग** की आवश्यकता को भी स्पष्ट करता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.